











































































































































SHRI RAMESHWARDAS BIRLA
1892 — 1973









साबरमती आश्रम सुरक्षा और स्मारक ट्रस्ट संचालित
गांधी स्मारक संग्रहालय का

उद्घाटन

भारत के प्रधान मंत्री

पंडित जवाहरलाल नेहरू के वरद हस्तों से

दि १० मई १९६३ के रोज

यह अशोक वृक्ष लगाकर हुआ ।

Prime Minister

Pandit Jawaharlal Nehru

declared open

The Gandhi Smarak Sangrahalaya

conducted by

The Sabarmati Ashram Preservation and Memorial Trust

on 10th May 1963 by Planting this Ashok tree



कृ
शुरुआत

BEC



सामूहिकता - देश-प्राजादिक ताय गायना - हृदय कोरना - 1981 - NATIONAL UNITY - GANDHI

NATIONAL LEADERS







गान्धीजीके वस्त्र
GANDHI'S CLOTHES

HRIDAYA KUNJ
THESE WERE MAHATMA GANDHI'S
AND KASTURBA'S
RESIDENTIAL QUARTERS
FROM 1918 TO 1930.
FROM HERE WERE INSPIRED
ALL HIS NATIONAL ACTIVITIES.
IT WAS FROM HERE THAT THE
FAMOUS DANDI MARCH
RECALLING BUDDHA'S RENUNCIATION
OF OLD, BEGAN ON
12TH MARCH 1930.

2-10-1936



हृदयकुंज
यह स्थान वरसों तक
महात्मा गांधी और श्रीमती कस्तूरबाका
निवासस्थान रहा है।
यही वह स्थान है जहांसे गांधीजीको
जपनी सब राष्ट्रीय प्रवृत्तियोंकी
प्रेरणा हुई थी।
और इसी स्थानसे भगवान बुद्धके
महाभिनिष्क्रमणका स्मरण करानेवाली
सन् १९३० की जगप्रसिद्ध दांडी यात्रा
आरंभ हुई थी।

२-१०-१९३६

HRIDAYA KUNJ
THESE WERE MAHATMA GANDHI'S
AND KASTURBA'S
RESIDENTIAL QUARTERS
FROM 1918 TO 1930.
FROM HERE WERE INSPIRED
ALL HIS NATIONAL ACTIVITIES.
IT WAS FROM HERE THAT THE
FAMOUS DANDI MARCH
RECALLING BUDDHA'S RENUNCIATION
OF OLD, BEGAN ON
12TH MARCH 1930.
2-10-1936



हृदयकुंज
यह स्थान वरसों तक
महात्मा गांधी और श्रीमती कस्तुरबाका
निवासस्थान रहा है।
यही वह स्थान है जहांसे गांधीजीको
अपनी सब राष्ट्रीय प्रवृत्तियोंकी
प्रेरणा हुई थी।
और इसी स्थानसे भगवान बुद्धके
महाभिनिष्क्रमणका स्मरण करानेवाली
सन् १९३० की जगप्रसिद्ध दांडी यात्रा
आरंभ हुई थी।
२-१०-१९३६



सुबहशाम प्रार्थना करत था।
इसी स्थानसे गांधीजीने अनेक धर्मप्रवचन
किये थे, जिनकी पवित्र ध्वनि आजभी वातावरणमें
गूँजती सी प्रतीत होती है, और
यही वह स्थान है जो गांधीजीके कड़े आत्मपरीक्षणमें
सत्याग्रहाश्रम नामके योग्य ठहरा था।

UPASANAMANDIR

THE PLACE CONSECRATED FOR
MORNING AND EVENING PRAYERS
OF THE INMATES OF THE ASHRAM,
WHERE THE HALLOWED VOICE OF
MANY A SERMON OF GANDHIJEE
STILL LINGERS AND WHICH ALONE,
IN GANDHIJEE'S STERN SELF-EXAMINATION
DESERVED THE NAME OF
SATYAGRAHASHRAM.

2-10-1936

कृपया
यहाँ ध्यान प्रार्थना ही करें
PLACE ONLY FOR
PRAYERS & MEDITATION



उपासना मंदिर

यह वही पवित्र उपासनाभूमि है
जहां पर सत्याग्रहाश्रमके निवासी भाई बहन
सुबहशाम प्रार्थना करते थे।
इसी स्थानसे गांधीजीने अनेक धर्मप्रवचन
किये थे, जिनकी पवित्र ध्वनि आज भी वातावरणमें
गूँजती सी प्रतीत होती है, और
यही वह स्थान है जो गांधीजीके कड़े आत्मपरीक्षणमें
सत्याग्रहाश्रम नामके योग्य ठहरा था।

~(००)~

UPASANAMANDIR

THE PLACE CONSECRATED FOR
MORNING AND EVENING PRAYERS
OF THE INMATES OF THE ASHRAM,
WHERE THE HALLOWED VOICE OF
MANY A SERMON OF GANDHIJEE
STILL LINGERS AND WHICH ALONE,
IN GANDHIJEE'S STERN SELF-EXAMINATION
DESERVED THE NAME OF
SATYAGRAHASHRAM.

2-10-1936













































































































CONVENTION
LIC'S SPLIT-UP

at
VANDERBILT HALL, IN GORHAM
Saturday, April 24, 1962 at 3:00 p.m.
SPONSORED BY
DR. KATTA SURESH
GEORGE FERNANDES, MOHIT DIN
P. K. KURANG, RAMANUJ SHAN





GOVT. OF INDIA
TOURIST OFFICE







restaurant

CONVENTION
AGAINST
LIC'S SPLIT-UP
AT
SUNDHAR HALL, IN BOMBAY
ON
Saturday, April 24, 1962 at 3:00 p.m.
VENUE:
DR. GATTA PARANT
GEORGE FERNANDES, MUHIT SEM
P. A. KURANE, RAMAKRISHN SHAI







































































